



खतरे से अछूती नहीं पैकेज्ड पानी की बोतलें 12 में से 4 ब्रांड मानकों पर खरे नहीं उतरे

“जल ही जीवन है” यह कथन 100 फिसदी सत्य है। क्योंकि यह जल ही है जो कि हमें न ही हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में उपयोग में आता है, बल्कि हमारे स्वास्थ्य को भी स्वास्थ रखने में ये काफी सहायक साबित होता है। क्योंकि आज मिलावट के दौर में हर उपभोग करने वस्तु रासायनिक दृष्टि से सुरक्षित नहीं है। लिहजा, बोतल बंद पानी भी खतरे से कम नहीं है। वॉयस की तुलनात्मक रिपोर्ट में इस बार सीवी ने पैकेज्ड पानी के प्रमुख 12 ब्रांड लिए हैं, जिनका आंकलन भारतीय मानकों से किया गया है। जहां एक तरफ इस रिपोर्ट में काफी चौंका देने वाले तथ्य सामने आए हैं, वहीं दूसरी ओर ये उपभोक्ताओं सही और स्वास्थ पीने के पैकेज्ड पानी का चयन करने में काफी मददगार साबित होगी।

पैक किए गए पेयजल (मिनरल पानी के अलावा) का अर्थ उस पानी से है, जो कि सतह, भूमिगत या समुद्र में समाहित पानी से प्राप्त होता है। यह पानी निर्दिष्ट उपचार के कई चरण जैसे, छानन, निस्पंदन, निस्पंदन का संयोजन, झिल्ली फिल्टर, गहरे फिल्टर के साथ वातन निस्पंदन के अधीन होता है। इसके अलावा कार्बन फिल्टर, सक्रिय कार्बन निस्पंदन, डिमिनिनाइलाइजेशन, शीमिनराइलाइजेशन, रिवर्स ऑसमोस इस प्रक्रिया का अहम हिस्सा है। इस प्रक्रिया से गुजरने के बाद पानी एक स्तर पर सुरक्षित घोषित कर पैक किया जाता है, जो कि किसी भी हानिकारक संदूषण से पानी को सुरक्षित करता है। दुर्भाग्य से देश में हर जगह उपलब्ध सुरक्षित पानी सुरक्षित नहीं है। जी हां, हानिकारक रासायनिक पदार्थ पृथ्वी की परतों में पाए जाते हैं, जो पानी में प्रवेश करते हैं। अगर इस तरह के पानी का सेवन किया जाता है, तो शरीर जन्मजात रोगों से ग्रस्त हो सकता है। इस वजह से, प्रचलित परिस्थितियों में सुरक्षित पेयजल की प्रक्रिया होना अनिवार्य हो गया है



टेस्ट प्रोग्राम और टेस्टिंग प्रयोगशाला

15 नवंबर, 2015 के राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने 1 मार्च 2017 से संशोधित विनियमन 2016 (आईएस 14543: 2016 के संशोधित संस्करण के अनुसार) को लागू किया गया है। चूंकि 1 मार्च 2017 से पहले पानी के नमूनों को खरीदा गया था, लिहाजा यह तुलनात्मक परीक्षण भारतीय मानक भारतीय मानक 14543:2004 पर नवीनतम संशोधन पर आधारित है। टेस्ट मापदंड मुख्य रूप से भारतीय मानकों पर आधारित थे, जो पैक किए गए पेयजल की समग्र गुणवत्ता का मूल्यांकन करते हैं, और एफएसएस नियमों, 2011 की आवश्यकताओं के मुताबिक उत्पाद की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

रैंक	ब्रांड	एमआरपी	कुल मात्रा (लीटर)	वैधता (महीनों में)	निर्माता / विपरणकर्ता
1	रेल नीर	15	1	6	इंडियन रेलवे कैंट्रि एंड टूरिज्म कॉर्पोरेट लिमि. दिल्ली
2	एमसी डोवल्स	20	1	6	महावीर एक्वा प्रा. लिमि. गाजियाबाद
2	बिसलेरी	20	1	6	बिसलेरी इंटरनेशनल प्रा.लिमि.
3	बॉनएक्वा	20	1	12	हिंदुस्तान कोको कोला प्रा.लिमी. दिल्ली
3	एक्सल्टा	20	1	6	वेएचवी बिवरेजेस प्रा.लिमि. हरियाणा
4	मोर	20	1	6	बिवरेजेस प्रा.लिमि. हापुड़
5	किनली	20	1	12	मून बिवरेजेस लिमि. ग्रेटर नॉयडा, यूपी
5	आइसलिक्स	20	1	6	सार्थक एक्वा इंडिया प्रा.लिमि, गाजियाबाद
6	बैले	15	1	6	पार्ले एग्रो प्रा.लिमि. मुम्बई
7	रॉयल ब्लू	20	1	6	एसजी बिवरेजेस, दिल्ली
8	ए4एक्स	20	1	6	अंश बिवरेजेस लिमि. नई दिल्ली
8	एक्वाफिना	20	1	9	वरुन बिवरेजेस लिमि. मथुरा, यूपी



तुलनात्मक परीक्षण



पैकेजिंग— पैकेज किए गए पेयजल की पैकेजिंग सामग्री को फूड ग्रेड सामग्री का होना चाहिए। इसके साथ ही बोटल की कैप का उत्पाद पर कोई रंग माइग्रेशन नहीं होना चाहिए। विशेषज्ञ पैनलिस्टों ने उपयोग, संचालन, अन्य संबंधित मानदंडों और रेटिंग के आधार पर पैकेजिंग को देखते हुए कहा कि सभी ब्रांड की पैकेजिंग मानकों के अनुकूल है।

मार्किंग / लेबलिंग— पैकेज किए गए पेयजल की बोटल को निम्नलिखित के साथ स्पष्ट रूप से चिह्नित किया जाना चाहिए।

- ए) उत्पाद का नाम,
- बी) प्रोसेसर का नाम और पता,
- सी) ब्रांड का नाम, यदि कोई हो,
- डी) बैच या कोड नंबर,
- ई) प्रसंस्करण / पैकेजिंग की तारीख,
- एफ) कीटाणुशोधन के उपचार,
- जी) अनिवार्य आईएसआई मार्क, एमआरपी, नेट वॉल्यूम, एफएसएसआई लाइसेंस नंबर, ग्राहक सेवा का विवरण।

सभी ब्रांडों को आवश्यक तथ्यों को मार्क किया है। सभी ब्रांड आईएसआई मार्क है, जो एक अनिवार्य आवश्यकता है।

टेस्ट पैरामीटर— पैक किए गए पेयजल के तुलनात्मक परीक्षण के लिए टेस्ट मापदंड सरख्त तौर पर राष्ट्रीय मानकों पर आधारित है। आईएस 14543रू 2004 पैक किए गए पेयजल के लिए अनिवार्य है।

भौतिक मानक

रंग— किसी भी ब्रांड में रंग का मिश्रण नहीं पाया गया है।

टर्बिडिटी— टर्बिडिटी पानी की एक मुख्य भौतिक विशेषता है। यह निर्लंबित पदार्थ या अशुद्धियों के कारण होता है, जो पानी की स्पष्टता में हस्तक्षेप करते हैं। इन अशुद्धियों में मिट्टी, गाद और विभाजित अकार्बनिक और कार्बनिक पदार्थ, घुलनशील कार्बनिक यौगिक शामिल हो सकते हैं। जांच के दौरान किसी भी ब्रांड में टर्बिडिटी की मौजूदगी नहीं पाई गई।

टीडीएस (कुल घुले हुए ठोस)— टीडीएस सीधे जल की शुद्धता और जल शोधन प्रणाली की गुणवत्ता और उपभोक्ता से संबंधित है। खासतौर से वह उपभोक्ता जो इसके आसपास रहता हो या फिर ऑर्गेनिक व इंऑर्गेनिक रूप में इसका उपयोग करता हो। भारतीय मानक के अनुसार पूर्ण रूप से घुले हुए ठोस पदार्थ पीने वाले पेयजल में अधिकतम 500 मिलीग्राम / लीटर होना चाहिए। कुल घुले हुए ठोस पदार्थों की उच्च गुणवत्ता, हृदय सांद्रता प्रतिकूल स्वाद प्रभाव पैदा कर सकते हैं। कुल घुले हुए ठोस (टीडीएस) खनिज, लवण या धातुओं की मात्रा, जो कि

किसी दिए गए मात्रा में पानी में घुली हुई होती है, जल एक अच्छा विलायक है और आसानी से अशुद्धता को ग्रहण करता है। डब्लूएचओ के दिशानिर्देशों के मुताबिक पीने के पानी में टीडीएस की बेहद कम मात्रा उपभोक्ताओं के बीच प्लैट, बेस्वाद स्वाद के कारण अस्वीकार्य हो सकता है। सभी ब्रांडों को अधिकतम अनुमत सीमा के मुकाबले अहुत कम मात्रा में टीडीएस पाया गया। जांच के दौरान अन्य ब्रांडों के मुकाबले रेल नीर में सबसे अधिक टीडीएस (126) और एक्वाफिना में न्यूनतम (9) पाया गया।

पीएच— पीने का पानी का पीएच स्तर उसकी अम्लीयता को दर्शाता है। पीएच 'पॉटेशियल हाइड्रोजन' का अर्थ पानी में मिश्रित हाइड्रोजन की मात्रा है। पीएच 0-14 स्केल पर मापा जाता है। यह दर्शाता है कि कोई एसिड या क्षारीयता नहीं है, वर्तमान में 7 के नीचे एक माप इंगित करता है कि पानी में एसिड मौजूद है, जबकि 7 से ऊपर का माप क्षारीयता को इंगित करता है। भारतीय मानकों के अनुसार पैक किए गए पेय जल में 6.5 - 8.5 के बीच पीएच होना चाहिए। गौरतलब हो कि पैक किए गए पेय के सभी ब्रांड, पीएच की निर्दिष्ट सीमा के भीतर पाए गए।

सामान्य पैरामीटर

अवांछनीय पदार्थ— परिणाम बताते हैं कि सभी ब्रांड्स सीमाओं में अवांछनीय पदार्थ के भीतर पाए गए हैं,

नाइट्रेट— नाइट्रेट एक बेरंग, गंधहीन और बेस्वाद कपाउंड

है, जो कुछ भूजल में मौजूद है। पानी में नाइट्रेट का उच्च स्तर मेटहेमोग्लोबिनेमिया या ब्लू बेबी सिंड्रोम का कारण बन सकता है, विशेष रूप से ये छह महीने से कम उम्र के बच्चों में पाया जाता है। एक शिशु का स्टमक (पेट) एसिड, बड़े बच्चों और वयस्कों के जितना मजबूत नहीं होता है, इस वजह से बैक्टीरिया में वृद्धि होती है, जो कि नाइट्रेट को नाइट्राइट में आसानी से बदल जाते हैं। नाइट्रेट की अधिकतम आवश्यकता 45 एमजी/1 होती है। जांच में सभी ब्रांडों को कुछ मात्रा में नाइट्रेट पाया गया, लेकिन वह अधिकतम स्वीकार्य सीमा के भीतर था।

फ्लोराइड— फ्लोरीन जब मिट्टी व पत्थर, में मौजूद खनिज के साथ मेल करता है, तब फ्लोराइड बनता है। अपने जीवनकाल में फ्लोराइड का अत्यधिक सेवन वयस्कों में हड्डियों के फ्रैक्चर की संभावना को बढ़ाता है, इसके अलावा हड्डियों को दर्द और नाजुक बनाने हेतु प्रभावित कर सकता है। 8 वर्ष और उससे कम उम्र के बच्चे फ्लोराइड के अत्यधिक मात्रा में सामने आते हैं, राष्ट्रीय मानकों के मुताबिक पैक किए गए पेयजल में फ्लोराइड की अधिकतम मात्रा 1 मिलीग्राम/लीटर अधिकतम है। इस परीक्षण के दौरान सभी ब्रांड निर्धारित सीमा के भीतर पाए गए।

सिल्वर

सिल्वर— चांदी के नमक का उपयोग पीने के पानी की जीवाणुगत गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए किया जाता



तुलनात्मक परीक्षण



है। हालांकि, 0.1 मिलीग्राम/लीटर तक, सिल्वर स्वास्थ्य को खतरे में नहीं डालता। जांच के दौरान किसी भी ब्रांड में सिल्वर नहीं पाया गया।

क्लोराइड— पीने के पानी में क्लोराइड का समावेश लोगों के लिए हानिकारक नहीं होता, खासतौर से जब तक वह उच्च सांद्रता तक नहीं पहुंचता, हालांकि हृदय या गुर्दे के रोगों से ग्रस्त कुछ लोगों के लिए क्लोराइड हानिकारक हो सकता है। पीने के पानी में क्लोराइड सांद्रता पर प्रतिबंध आम तौर पर स्वास्थ्य की बजाय स्वाद की आवश्यकताओं पर आधारित होता है। रासायनिक तत्व क्लोरीन संक्षारक, जहरीला व घुटनभरी गंध से विभूत है। बैक्टीरिया को नष्ट करने के लिए तरल क्लोरीन पीने के पानी में मिलाया जाता है, जी हां, आईएस के अनुसार क्लोराइड की अधिकतम अनुमत सीमा 200 मिलीग्राम/लीटर है। जांच के दौरान सभी ब्रांड अधिकतम सीमा के भीतर पाए गए।

सल्फेट — सल्फेट एक स्वाभाविक रूप से होने वाला पदार्थ है जिसमें सल्फर और ऑक्सीजन शामिल हैं। सल्फेट को आम तौर पर गैर विषैला माना जाता है। सल्फेट युक्त उच्च मात्रा वाले पेय जल की खपत के परिणामस्वरूप आंतों की परेशानी, दस्त और नतीजतन निर्जलीकरण हो सकता है। सभी ब्रांड्स ब्रांड्स में सल्फेट सीमित मात्रा में पाया गया।

क्षारीयता— क्षारीयता को मनुष्यों के लिए हानिकारक नहीं माना जाता है, लेकिन आम तौर पर कठोर, उच्च पीएच

और अत्यधिक घुले हुए ठोस पदार्थों के साथ जुड़ा हुआ है, जो अवांछनीय हो सकते हैं। सभी ब्रांड्स में क्षारीयता सीमित मात्रा में पाया गया।

कैल्शियम और मैग्नेशियम— पानी में कैल्शियम और कुछ अन्य खनिजों से वे स्वस्थ होता है। कैल्शियम समृद्ध पानी में उच्च पीएच होता है और यह अम्लीय पानी पीने से बेहतर होता है कैल्शियम, हालांकि पानी में हृदय रोग के खिलाफ की रक्षा के लिए दिखाया गया है। कैल्शियम और मैग्नेशियम स्थायी कठोरता का हिस्सा हैं। यह पीने के पानी के लिए अवांछनीय है।

सभी ब्रांडों में कैल्शियम और मैग्नेशियम की बहुत कम मात्रा में पाए गए थे

सोडियम— हमारे आहार में सोडियम एक आवश्यक खनिज है, यह सामान्यतः सोडियम क्लोराइड (नमक) के रूप में पाया जाता है। नमक का कोई गंध नहीं है और यह पानी में आसानी से घुल जाता है। पानी में इसका उच्च स्तर होने पर नमकीन स्वाद देता है। सभी सोडियम की सीमित मात्रा में पाए गए।

विषाक्त/ भारी धातु— राष्ट्रीय मानक के अनुसार मरकरी, कैडमियम, आर्सेनिक, सायनाइड, लेड, क्रोमियम और निकेल ऐसे विषाक्त पदार्थ हैं, जो पीने के पानी में मौजूद नहीं होना चाहिए। यह किसी भी ब्रांड में नहीं पाए गए।

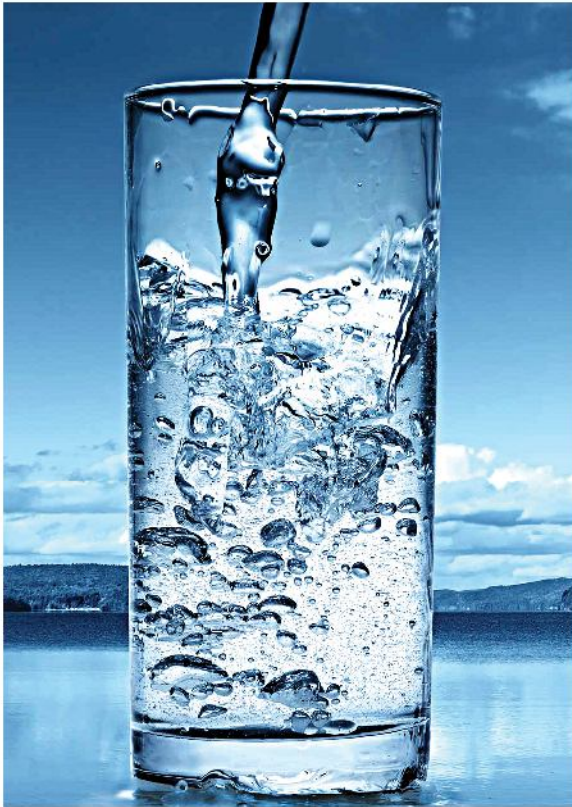
अवशिष्ट कीटनाशकों— अवशिष्ट कीटनाशकों को बतौर एल्कॉलॉर, बुटाचलॉर, क्लोरोपायरिफोस, डीडीटी (ओ, पी और

परीक्षण के दौरान एक्वाफिना, बैली, रॉयल ब्लू और ए 4 एक्स ब्रांड सूक्ष्मजीवविज्ञानी आवश्यकताओं को पूरा करने में विफल रहे हैं, लिहाजा ये सुरक्षित नहीं हैं। कुल व्यवहार्य कॉलोनी (टोटल विएबल क्वालिटी काउंट) एक्वाफिना, बैली, रॉयल ब्लू और ए 4 एक्स और स्यूडोमोनस एरुगिनोसा में पाया गया है। जबकि खमीर और मोल्ड भी एक्वाफिना में पाया गया था।

स्यूडोमोनस एरुगिनोसा संक्रमण की एक सीमा का कारण बन सकता है, लेकिन कुछ पूर्ववर्ती कारक के बिना शायद ही कभी स्वस्थ व्यक्तियों में गंभीर बीमारी का कारण बनता है। यह मुख्य रूप से क्षतिग्रस्त साइट्स जैसे जलने और सर्जिकल घावों, अंतर्निहित बीमारी वाले लोगों के श्वसन तंत्र और शारीरिक रूप से क्षतिग्रस्त आंखों का उपनिवेश करता है।

पी, प्लोसोमर्स का डीडीटी, डीडीई और डीडीडी), एंडोसल्फेन (अल्फा, बीटा और सल्फेट), गामा- एचसीएच (लिंडेन), मेलाथियान, मेराऑक्सन मिथाइल, मिथेल पैराथिऑन, मिथाइल पाराक्सॉन, फोरेट, फोरेट सल्फोक्साइड, एल्फा एचसीएच, बिटा एचसीएच, डेल्टा एचसी, एल्लिन / डिल्लीन, एट्राजिन², 4 डिक्लोरोफिनोक्सेटिक एसिड, इथिओन, इसोप्रासेटयूरोन, मोनोक्रोफोटोस, पाफलिकलोरीनेटेड बाइफिनाइल परीक्षित किया गया है।

अतिरिक्त पैरामीटर— पाराथिऑन, फोसफामिडन, कारबारयेल, कार्बोफुस, परमेथिन, मेटलएक्सल, प्रोपोक्सर, डिएजिनन, डाइलोरोवोस, फेनिट्रोथिऑन, एल्फा-बीएचसी, डिमाथोएट,



सिपारमेथिन, डेल्टामेथिगन, फेनवेलरेट, केप्टाफोल, फोसेलन, एक्फेट, सिमाजीन, एल्डीक्रेब, कुल डिथिओकैबमेट।

अवशिष्ट कीटनाशकों के आवश्यक मानक

व्यक्तिगत कीटनाशक— अधिकतम 0.0001 मिलीग्राम/लीटर कुल कीटनाशक अवशेष, अधिकतम 0.0005 मिलीग्राम/लीटर इस परीक्षण में सभी ब्रांडों को सीमित मात्रा के तहत पाया गया। केवल 2,4 डिक्लोरोफिनोक्सेटिक चार ब्रांड में पाए गए, जो निर्धारित सीमा के अंदर थे।

माइक्रोबायोलॉजिकल टेस्टिंग— पानी का सूक्ष्मजीव विज्ञानी प्रदूषण लंबे समय से जनता के लिए चिंता का विषय रहा है। शिगोला, एकिरिचिया कोलाई, विब्रियो, साल्मोनेला, कोलिफॉर्म, एस। एरेस, फिकेल स्ट्रेप्टोकोकी, खमीर और मोल्ड, विब्रियो कोरा, विब्रियो पैराहामोलिटिकस, स्यूडोमोनस एरुगिनोसा जैसे पर्यावरण में पाए जाने वाले कई संक्रामक सूक्ष्मजीव हैं। इन सूक्ष्मजीवों के लक्षण मतली, उल्टी, दस्त, और पेट में ऐंठन होते हैं। स्वस्थ वयस्कों में, ये बीमारियां आमतौर पर हल्की होती हैं, जो लंबे समय तक नहीं रहती। शिशुओं, बच्चों, बुजुर्गों और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले व्यक्तियों में, ये बीमारियां अधिक गंभीर हो सकती हैं।

रेडियो गतिविधि— रेडियोधर्मी अल्फा और बीटा उत्सर्जक पानी में आसानी से घुलनशील हो रहे हैं। आयरन, आर्सेनिक आदि जैसे अन्य खनिजों के समान, बेडरुक में अनियमित रूप से उत्पन्न होते हैं। पानी में विनियमित रेडियोन्यूक्लाइड से संबंधित मुख्य स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं फेफड़ों के कैंसर का खतरा बढ़ाती हैं। साथ ही यूरेनियम के चलते गुर्दे में विषाक्तता का खतरा बढ़ सकता है। जबकि रेडियम हड्डियों के कैंसर का खतरा बढ़ता है। सभी ब्रांड्स रेडियो गतिविधि के परीक्षण में पास हो गए।

संवेदी परीक्षण— यह परीक्षण नामी प्रयोगशाला में किया गया है। जो स्वाद व सुगंध को जांचने में सक्षम है। ब्रांड एक्वाफिना, बैली, रॉयल ब्लू, ए4एक्स ने जहां 3 अंक प्राप्त किए। वहीं बाकि सभी ब्रांड 7 अंक पाने में सफल हुए हैं।

तुलनात्मक परीक्षण

पैकड पीने के पानी के प्रमुख

ब्रांड →	वेटेज प्रतिशत में	रेल नीर	मैक डोवल्स	बिसलेरी	बोनाक्वा	एक्साल्टा	
मानदंड ↓							
खुदरा मूल्य (रुपए में)		15	20	20	20	20	
सामान्य							
पैकेजिंग	2	2	2	2	2	2	
मार्किंग	3	3	3	3	3	3	
भौतिक मानदंड							
रंग	1	1	1	1	1	1	
टर्बिडीटी	3	3	3	3	3	3	
टीडीएस	10	9.04	7.6	7.44	6	6.64	
पीएच	7	6.16	6.02	5.74	6.72	5.6	
अनचाहे तत्व	20	19.22	19.28	19.39	19.6	19.42	
टॉकसिक्स/भारी धातु	12	12	12	12	12	12	
कीटनाशनक	10	10	10	10	10	10	
सूक्ष्मजीवी परीक्षण	20	20	20	20	20	20	
रेडियो एक्टिविटी	5	5	5	5	5	5	
भौतिक व संवेदी परीक्षण	7	7	7	7	7	7	
कुल स्कोर	100	97	96	96	95	95	
रैंक		1	2	2	3	3	

नोट— *'क्योंकि यह ब्रांड सूक्ष्मजीवी परीक्षण में फेल हुए हैं, तो यह ब्रांड उपभोग करने योग्य नहीं है।

रेटिंग— 90 — बहुत अच्छा, 71—90, अच्छा, 51—70 बेहतर, 31—50 —सामान्य, अपटू 30— बहुत बुरा

टेस्ट के लिए सभी बोटलें एक लीटर की ली गई हैं।

मुख्य निष्कर्ष

- परीक्षण परिणामों के अनुसार ब्रांड रेल नीर द्वारा सबसे उच्च पायदान पर है, जबकि मैक डोवल्स व बिसलेरी दूसरे पायदान पर हैं।
- रेल नीर, कीमत के लिहाज से भी किफायती ब्रांड है।
- बेली, एक्वाफिना, ए 4 एक्स और रॉयल ब्लू के अलावा, अन्य सभी ब्रांड भारतीय मानक की आवश्यकताओं के भीतर पाए गए।
- एक्वाफिना, रॉयल ब्लू, बेली और ए 4 एक्स ब्रांड भारतीय मानक की अधिकतम स्वीकार्य सीमा की तुलना में कुल कॉलोनी गणना से अधिक मात्रा में पाए गए। पी. एरुजिनोसा बैक्टीरिया एक्वाफिना, रॉयल ब्लू, बेली और ए 4 एक्स ब्रांडों में मौजूद पाए गए।
- एक्वाफिना में खमीर और माउल्ड गणना पाई गई।

कंज्यूमर वॉयस का सुझाव सर्वोच्च प्रदर्शक और किफायती ब्रांड रेल नीर

- कोई भी ब्रांड विभिन्न खनिजों, विषाक्त पदार्थों और अवशिष्ट कीटनाशकों की अधिकतम स्वीकार्य सीमा को पार नहीं कर पाया गया।
- भौतिक परीक्षण (रंग, टीडीएस, टर्बिडीटी और पीएच) के रूप में, सभी ब्रांड राष्ट्रीय मानक के अनुसार न्यूनतम आवश्यकताओं की पूर्ति कर पाए गए।
- एक्वाफिना, रॉयल ब्लू, बेली और ए 4 एक्स ब्रांडों द्वारा सूक्ष्मजीवविज्ञानी आवश्यकताओं को पूरा नहीं किया गया है, इसलिए पीने के लिए असुरक्षित हैं।

ब्रांड्स का तुलनात्मक चार्ट

	मोर	किनली	आइसलिंग्स	बैले	रॉयल ब्लू	ए 4 एक्स	एक्वाफिना
	20	20	20	15	20	20	20
	2	2	2	2	2	2	2
	3	3	3	3	3	3	3
	1	1	1	1	1	1	1
	3	3	3	3	3	3	3
	4.72	5.32	8.6	8.16	7.12	4.92	4.4
	6.58	6.3	5.74	5.6	6.16	6.16	5.88
	19.58	19.46	19.14	19.25	19.42	19.82	19.87
	12	12	12	12	12	12	12
	10	9.4	6.08	10	9.44	7.36	10
	20	20	20	13	13	13	11
	5	5	5	5	5	5	5
	7	7	7	3	3	3	3
	94	93	93	क्योंकि यह सूक्ष्मजीवी परीक्षण में फेल हुए हैं, लिहाजा यह पीने योग्य नहीं हैं			
	4	5	5				

रिपोर्ट का निष्कर्ष

भौतिक, रासायनिक और सूक्ष्मजीवविज्ञानी गुणवत्ता जांचने के लिए वॉयस सोसाइटी द्वारा परीक्षणित पेयजल के पानी की नियमित बिक्री ब्रांड का परीक्षण किया गया है। जहां इस बात का आकलन किया गया कि क्या परीक्षित किया गया ब्रांड मानव उपभोग के लिए सुरक्षित है ? ये भी सभी राष्ट्रीय मानकों के ब्यूरो की मानक आवश्यकताओं का पालन कर रहे हैं। 12 ब्रांडों में से चार ब्रांड सूक्ष्मजीवविज्ञानी आवश्यकताओं के अनुरूप नहीं थे। लिहाजा उपभोग के लिए आठ ब्रांड सुरक्षित पाए गए, जो कि सभी मापदंडों में सुरक्षित पाए गए थे। सुपरमार्केट, रॉयल ब्लू, बैली और ए 4 एक्स ब्रांड सूक्ष्मजीवविज्ञानी परीक्षण में असफल रहे, जिसके परिणामस्वरूप कई पानी बॉर्न रोग हो सकते हैं, इसलिए वॉयस सोसायटी द्वारा खपत के लिए सिफारिश नहीं की गई थी। कुल मिलाकर टेस्ट में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले ब्रांड रेल नीर, मेक डॉवल और बिसलेरी दूसरे और तीसरे स्थान पर प्रदर्शन करते पाए गए।

पैक किए गए पेयजल क्या है?

पैकेज किए गए पेयजल किसी भी श्रोत से पानी का उपयोग करता है, जो कीटाणुरहित होना चाहिए। इसके अलावा यह प्रक्रिया मानव उपभोग के लिए फिट होने से पहले निस्पंदन, यूवी या ओजोन उपचार या रिवर्स ऑस्मोसिस (आरओ) प्रोसेस से गुजरना चाहिए।



तुलनात्मक परीक्षण

मिनरल पानी व पैकड पानी को लेकर तुलनात्मक चार्ट

	मिनरल पानी	पैकड पीने का पानी
विवरण	खनिज व लवण युक्त पानी को स्वस्थ माना जाता है।	पैकड पीने का पानी सील्ड होता है। ये साफ, सुरक्षित, और मानव उपभोग हेतु उपयुक्त होना चाहिए।
व्यवहारिकता	यह पानी रासायनिक प्रक्रिया से नहीं गुजरता है।	पानी रासायनिक प्रक्रिया से गुजरता है।
छानन (फिल्ट्रेशन)	यहां छानन की प्रक्रिया के दौरान कोई भी अतिरिक्त पदार्थ नहीं जोड़ा जाता। जिससे इसके प्राकृतिक गुण बरकरार रहते हैं।	उसे रासायनिक प्रक्रिया से गुजरना होता है।
कार्य अवधि (सेल्फ लाइफ)	शुद्ध व प्राकृतिक उपभोग के लिए बड़ी मिनरल पानी की वैद्यता (कार्य अवधि) अधिक है।	जबकि पैकड पानी की वैद्यता (कार्य अवधि) छोटी होती है।
स्वस्थ	मिनरल पानी में कोई भी रासायन नहीं जोड़ा गया है, इसलिए यह स्वस्थ है।	क्योंकि ये रासायनिक प्रक्रिया से गुजरता है, लिहाजा ये अधिक स्वस्थ नहीं है।

हमने प्रकाशन से पहले परीक्षित किए गए ब्रांडों के परिणाम उनके संबंधित निर्माताओं / विपणकर्ताओं के साथ सांझा किए, जो उनके विचारों / टिप्पणियों को आमंत्रित करते हैं। हम उन निर्माताओं में से एक से प्राप्त टिप्पणी को सांझा कर रहे हैं।

ब्रांड का नाम	विपणकर्ता / निर्माता की प्रतिक्रिया	वॉयस सोसायटी का जवाब
एक्वाफिना	<p>महज किसी भी परीक्षण के परिणामों के आधार पर प्रतिक्रिया मांगना उचित नहीं है, खासतौर से जो कि केवल सादे कागज पर अंकित कर दिए गए हैं, जहां किसी भी एनएबीएल मान्यता प्राप्त लैब का जिक्र नहीं है, जहां कथित परीक्षण किया गया है। गौरतलब हो कि आपके पत्र में उल्लेखित कुल व्यवहार्य कॉलोनी और स्यूडोमोनास की इतनी अधिक मात्रा की उपस्थिति हमारे उत्पाद, एक्वाफिना में संभव नहीं है।</p> <p>हमारे उत्पाद में माउल्ड की उपस्थिति कभी भी आंकी नहीं गई है। माउल्ड की इतनी अधिक मात्रा केवल उसी समय संभव है, जब सैपल प्लेटिंग के दौरान दूषित (कंटेमिनेटेड), नॉन-स्टैराइल प्लेटिंग / सूक्ष्मजीव विज्ञानी परीक्षण के लिए दूषित माध्यम का उपयोग किया गया हो।</p> <p>वही बैच नं. 5334E09L16 एनएबीएल मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला – (माइक्रोकॉम सिलीकर पीवीटी लिमिटेड और इनहाउस लैब) द्वारा मापदंडों के भीतर पाया गया। हमारे पास आईएसओ 22000 प्रमाणित संगठन भी हैं।</p> <p>हमें विश्वास है कि आप उत्पाद 'एक्वाफिना' की गुणवत्ता से संतुष्ट होंगे। और, अगर आप अलग राय हैं, तो ऐसे डेटा पर भरोसा करने से पहले देखभाल करें जो स्वतंत्र एनएबीएल मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं द्वारा जारी परीक्षण रिपोर्टों के साथ मेल न खाता हो।</p>	<p>पॉलिसी के अनुसार, हम परीक्षित परिणामों को एक निश्चित फॉर्मेट में रिपोर्ट करते हैं। यह रिपोर्ट सभी परीक्षणों व उनके अनुसार पाए गए परिणाम को कवर करती है। इसके बाद हम पंजीकृत डाक और ईमेल के माध्यम से संबंधित निर्माताओं के साथ तेजी से पत्राचार करते हैं। इन परीक्षणों को एक प्रतिष्ठित एनएबीएल मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला में आयोजित किया जाता है, जो कि नियामक द्वारा मान्यता प्राप्त है।</p> <p>परिणामों को लेकर मनोनीत परीक्षण प्रयोगशाला ने पुष्टि की है कि परीक्षण के परिणाम में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है और पूर्व में रिपोर्ट किए गए परिणाम निर्दिष्ट प्रोटोकॉल के अनुसार हैं।</p> <p>हमारी मनोनीत प्रयोगशाला ने रिपोर्ट किए गए परिणामों की पुष्टि की है। प्रकाशित लेख में आपकी प्रासंगिक टिप्पणियां हमारे जवाब के साथ प्रकाशित करेंगे।</p>